CircleD

The Evolution of Dimensions

Volume 1

CircleD – The Spherical Dimension

CircleD – Universe Navigation System

Hypothetical Theory of Spherical Dimension and Universe Navigation System

Primary Language: Hindi (Mixed with English)

Author: Rohit Chaurasia

Copyright © 2025 Rohit Chaurasia
All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means — electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise — without the prior written permission of the author.

Published in August 2025

ISBN: 978-93-343-8272-3

Book Title: CircleD The Evolution of Dimensions Volume 1

Subtitles:
CircleD – The Spherical Dimension
CircleD – Universe Navigation System
Hypothetical Theory of Spherical Dimension and Universe Navigation System

Author & Publisher: Rohit Chaurasia

Address: Uttar Pradesh, India

Publishing Field: Science & Technology

Primary Language: Hindi (mixed with English)

Publication Type: Digital Download and Online

Disclaimer: This work is a product of independent research and original thought. The author holds full responsibility for the content.

For queries: rohitcircled [at] Gmail [dot] com

Scope and Disclaimer

Title: CircleD The Evolution of Dimensions Volume 1
Subtitle: **Hypothetical Theory** of Spherical Dimension and Universe Navigation System.

Author's Note:

This work presents a hypothetical framework based on observational ideas about how objects might evolve from 0D to a spherical dimension.
This is not a proven scientific theory.
No claim of experimental validation is made.
Assumptions, gaps, and possible errors are acknowledged.

The purpose is to provoke thought and invite discussion, not to present established facts. Readers should treat this as a conceptual proposal, not as a substitute for verified scientific knowledge.

What This Book Contains:
An observational, pattern-based framework for dimensions and navigation.
Suggested conceptual mechanisms such as CDFF (Circular Dimensional Flow Field).
Mathematical assumptions and tables derived from logic and approximation, not experimental data.

Open Issues for Future Research:
Experimental validation of CDFF concepts.
Formal mathematical models.
Simulation-based testing.

Important:
This book does not promote misinformation or reject established science.
It is an exploratory hypothesis and should be read as such.

Collaboration:
If you are a researcher, educator, or student willing to collaborate, your insights are welcome.

Contents

INTRODUCTION: ORIGIN OF OBSERVATION

PRINCIPELS OF CircleD

EVOLUTION OF DIMENSIONS

EVOLUTIVE POINTS

STABILITY IN SPHERICAL

DIMENSION

FORCE or ENERGY?

CDFF – GRAVITATIONAL EFFECT

CDFF – STRENGTH

CDFF – REVOLUTION AND SPIN

CircleD – UNIVERSE NAVIGATION SYSTEM

COLLISION

COLLAPSE

CLOSING STATEMENT

QUESTIONS

Author’s Note

INTRODUCTION: ORIGIN OF OBSERVATION

Origin Of Observation

मेरा नाम रोहित चौरसिया है, मैं Engineer नहीं हूँ, न Scientist हूँ, मैं जब से कुछ समझने और याद रखने लायक हुआ, तब से मैं एक बात जरूर सुनता आ रहा हूँ कि दुनिया गोल है।

गोल है? क्यों है? कैसे है? गोल होने की क्या वजह है?
ये सवाल मेरे मन में कई बार उठा लेकिन अपने Educational Period में जानने की कोशिश नहीं किए।

Below Average Student था, बस Fail नहीं होता था, Just Pass हो जाता था, Class 6th से Physics में Interest बढ़ने लगा और थोड़ा उससे कम Math में, Math अच्छा लगता था, लेकिन Problem Formula करते थे, याद नहीं होते थे, आज भी याद नहीं रहते है, कोशिश बहुत किए, दूसरे Subjects को समझने की लेकिन कुछ समझ नहीं आता था और याद किया हुआ भूल जाते थे।
Physics में Light, Lens और Cosmology इन Topics ने मुझे प्रभावित किया, मेरा Interest बढ़ने लगा इन Topics में।

Light जब Prism से गुजरती है तो Split होकर सात रंगों में बंट जाती है, जिसका एक रूप Rainbow भी है, पानी से गुजरती है तो रास्ता बदल लेती है, आईना से टकरा कर वापस आती है।
Light मेरे लिए खिलौना बन गया था, जब शाम को लाइट चली जाती थी तो Torch से Practical शुरू हो जाता था — पानी से भरे बाल्टी में Torch जलाना, कभी आईने पर Torch जलाना, तो कभी आसमान की ओर, घर में Prism नहीं था, होता तो उससे भी खेलते, Torch की Battery खत्म हो जाती थी, कोई Practical नहीं करते थे, बस खेलते थे, Battery खत्म हो जाने पर डाट भी सुनते थे।

Physics और Math के साथ अपनी पढ़ाई को Manage कर के Class 10th तक आ गए, Chemistry और Biology में मेरा कोई खास Interest नहीं था और बाकी Subjects समझ ही नहीं आते थे, Exam के Time में शाम को याद करते और सुबह भुल जाते थे, ये मेरी कमजोरी थी या लापरवाही मैं आज तक समझ नहीं पाया हूँ, इन्ही सब कारणों से 10th में Marks बहुत कम आए, Just Pass हुवे, क्योंकि सिर्फ Physics और Math नहीं होते है, और भी Subjects होते हैं, 11th में Science नहीं मिला, Commerce लेना पड़ा, मेरे लिए Indian Education System में, मेरा Future खत्म हो चुका था, Commerce में Accounts को छोड़ कर कुछ नहीं आता था और अब Education Field में मेरे लिए कुछ बचा नहीं था, 12th भी Just Pass कर लिए, उसके बाद Graduation भी B. Com से Complete हो गया।

Struggling पूरे Education Life में चलती रही, Subjects से Compromise होता रहा, Graduation Complete होने के बाद ये सारे Struggle खत्म हो गए।

Normal Life जी रहा था, लेकिन एक बात मैं अपने Classmate की कभी भूला नहीं, जो मुझे Class 8 से आज तक याद है, Class 8th में, मैं और मेरे 3–4 Classmate, Tuition के लिए Teacher के घर जाते थे, एक दिन हम 3 लोग Light Topic पर बहस कर रहे थे, तभी अचानक से एक और लड़का जो हमारी बहस सुन रहा था, उसने सबसे सवाल किया, ये बताओ Light Split होती है तो उसमें सबसे ऊपर कौन सी होती है?

मैंने इस पर कभी ध्यान नहीं दिया था, मुझे तो कुछ समझ ही नहीं आ रहा था, कौन सी ऊपर होती है? कौन सी नीचे?

उसने बोला कि तुम लोगों को ये सोचना चाहिए कि ऐसा क्यों होता है,
जो ऊपर है वो क्यों ऊपर है?
जो नीचे है क्यों नीचे है?

उस दिन मुझे एहसास हुआ की मैं तो कुछ जनता ही नहीं हूँ Light के बारे में,
एक लड़के ने उस लड़के से बोला, तुम बता दो कौन सी ऊपर होती है, हम लोग नहीं जानते, उसने नहीं बताया, बोला खुद पता लगाओ, मैं क्यों बताऊं।

मैंने कभी ये ध्यान नहीं दिया था कि Light Bend होती है, मैं उस दिन तक यही सोचता था Split हो जाती है, Flat.

उस दिन से Consciousness का एक नया रूप खुद में महसूस किया, लेकिन वो इतना Strong नहीं था, बस Time गुजरता गया और Study भी Complete हो गई, शादी भी हो गई, जिंदगी में उतार-चढ़ाव भी देखे, Father भी बन गए एक बच्चे के, Family Business भी Join कर लिए।

एक दिन मेरे घर में Science पर बहस चल रहा था, Topic था Cosmology, मेरे पास कुछ खास Knowledge नहीं था, बहस में Participate करने के लिए, फिर भी सुन रहा था और कहीं-कहीं बोल रहा था, ये बात है Near About 2015 – 2016 की।

उस दिन मेरी चेतना (Consciousness), मुझे अलग तरीके से परेशान करने लगी, जब किसी एक ने कहा कि तुमको क्या पता होगा इसके बारे में, तुम Commerce से पढ़े हो, ये तो 11th – 12th से पढ़ाया जाता है और Topic था $E = mc^2$.

इस बात से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ा कि मैं Commerce से पढ़ा हूँ, ये कोई ऐसी बात भी नहीं थी मेरे लिए, जो मुझे अंदर से झकझोर दे।

उस दिन फर्क पड़ा था, फर्क बस गोल होने से पड़ा, और कब पड़ा? जब मेरी पढ़ाई खत्म हो चुकी थी, उस दिन मैंने $E = mc^2$ को ध्यान में तो नहीं रखा, लेकिन मेरे दिमाग में Circle बैठ गया था।
Circle की वजह Cosmology था, Cosmology is my favourite topic of all time.

उस दिन मैं एक ही बात पर अटक गया था, कि Solar System में सारे ग्रह गोल क्यू हैं, सूरज भी गोल है।
मेरे अंदर सवाल उठता है — क्यों गोल हैं?
मैंने पूछ दिया, क्यों गोल हैं?
तो जवाब मिला — Due to Gravity, और Topic खत्म हो जाता है।

लेकिन, मेरे अंदर सवाल वैसे के वैसे ही रह गया — क्यों गोल हैं?

अब मेरे अंदर न जाने कौन सा उफान उमड़ने लगा कि मुझे जानना है कि क्यों ऐसा है, लेकिन कैसे? उस दिन से तय किए कि खुद से जानना है और जो Information जहाँ से मिल सके वहाँ से लेना है,
उस दिन से जो सब से पहला काम शुरू किए वो था **'OBSERVATION'**.

हर Objects में Circle नजर आने लगा, जब खाना खाने के लिए Plate उठाए तो Plate गोल, पानी का Glass उठाए तो Glass गोल, खाने के लिए रोटी तोड़े, रोटी भी गोल, तवा गोल, आटे की लोई (Dough Ball) गोल, चौकी बेलन गोल, Gas Cylinder गोल, Stove का Burner गोल, मुंह खोले खाने के लिए तो मुंह गोल, हथेली को मुट्ठी बनाए तो मुट्ठी गोल बनी, हाथ धोने के लिए जब Tap खोले, Tap गोल, उसमें से जो पानी गिर रहा था वो भी Circular Form में Vertically गिर रहा था, Wash Basin भी Near to Semi-Hemisphere था, Basin का Coupling गोल, पानी का Pipe गोल, Water Tank गोल जो मेरे घर में लगा था, आखिर क्यों Mostly चीजें गोल नज़र आ रही हैं?

यहाँ तक कि सब्जियाँ जैसे – आलू, प्याज, टमाटर, लहसुन, गोभी, पत्तागोभी, कद्दू, लौकी, करेला, बैंगन, चना, मटर, सरसों, etc. फल भी गोल, जैसे – आम, अमरूद, सेब, संतरा, लीची, अंगूर, अनार, etc. बस कुछ को छोड़ दिया जाए जैसे भिंडी, केला— But वो भी Curved हो जाते हैं,

क्या इसकी वजह भी Gravity है?
मैंने ये भी सवाल कर दिया कि क्यों पृथ्वी पर लगभग चीजें गोल नज़र आती हैं?
जवाब में Gravity ही मिला।

लेकिन मेरे अंदर सवाल बना रहा — Gravity इसका कारण हो सकता है?

Gravity ही इसका कारण है?
ये नहीं हो सकता, बात कुछ और है, क्योंकि
Screw Cap Mechanism or Screw Thread Mechanism, Gravity के कारण नहीं है, ये Solution है एक Problem का।

गोल है समझ आ रहा है, लेकिन जो चीज हम खुद बनाते हैं, जैसे Artificial Things, वो Mostly गोल क्यों हैं? उसका Shape तो बदल ही सकते हैं।

मैंने बोला रोटी Square बनाओ, तो मेरी Wife ने Try किया लेकिन सही से बना नहीं पाई, जो Easily बन गया वो रोटी Circle था, उसके बाद पराठा वो Triangle था, लेकिन पराठा बनाने से पहले गोल रोटी बनानी पड़ी।

सो कर उठे,
Light on करने के लिए Switch दबाएं,
Board पर ध्यान गया – 4 Screw था Board के चारों Corner पर Circle Shape में,
फिर उस Board में, Plug in Socket में Circle था, Plug का Pin भी Cylindrical था,
Light on किए – Bulb गोल, Fan की ओर देखे वो भी गोल,
Room का Gate Open किए – सटकनी (Cinch) गोल, दरवाज़े का कब्जा (Butt) उसमें भी गोल, ब्रश करने के लिए Toothpaste उठाया तो उसका Cap – Circle, Toothpaste Tube-Cylindrical,
नहाने के लिए Mug उठाया वो भी Circle, Bucket भी Cylindrical, Shower Square था लेकिन उसमें जो छेद था वो Circle था।

Ready होने लगा,
Shirt पहना तो Shirt का Button – Circle था, Shirt को पहन रहा था वो भी Circular Form में बदल गया, Pant की Zip जब ऊपर कर रहा था तो Zip फँस गई, फिर Pant को उतार कर Zip देखा तो उसकी Locking Mechanism में भी Circle था, Pant को जब पहन रहे थे वो भी Circular Form ले लिया, जबकि वो Flat था, Belt, Flat था लेकिन वो भी Circle बन गया और उसमें जो छेद था वो Circle था।

जब आईने में खुद को देखा तो सिर गोल नज़र आया, आँखों की पुतलियाँ गोल, आँखें भी गोल, नाक का छेद भी गोल, घुटने की चक्री भी गोल, शरीर में जितने छेद सब गोल, बहुत कुछ गोल था शरीर में।

Pocket में हाथ डाला तो Circle जैसा महसूस हुआ, जब उसको निकाला तो सिक्का था—1 रुपए का, घड़ी की ओर देखा वो भी Circle, एक और घड़ी थी वो Square थी, लेकिन दोनों घड़ी की जो सुई थी वो Circular Form बना रही थी।

Bike पर बैठा और चाभी लगाई तो देखा उसका भी Lock – Circle था, Bike की Wheel तो Circle थी ही, Bike में Digital Meter था उसमें कुछ भी Circle नज़र नहीं आ रहा था, मैं ढूँढ रहा था लेकिन कुछ भी Circle नज़र नहीं आ रहा था, फिर उसमें एक Dot दिखा — Total Run 123.4 km. Accelerator पर हाथ रखा वो Cylindrical था।

Shop पर पहुचा और चाभी निकाला ताला खोलने के लिए तो ताला भी गोल, एक और ताला था वो Square था, लेकिन दोनों की Locking Mechanism – Same थी Circular.
Shop में जीतने Products Item थे बेचनें के लिए उनके Containers, Mostly Circular ही नजर आ रहे थे, कलम उठाए लिखने के लिए तो वो भी गोल, कलम के Tip में भी Ball थी, जब लिखने लगा English में,

तो Language के Letters भी Circle या Triangle से प्रभावित थे, हिंदी में लिखा तो उसमें भी यही Pattern नज़र आने लगा।

मैंने Circle, Spherical or Near to Structures को, Natural और Artificial Objects में Observe करना शुरू कर दिया, हर जगह Circle ढूँढने लगा, देखने की कोशिश करने लगा –Animals, Insects, Reptiles सब में Circular Form या Spherical नज़र आया, Mostly Languages में यही Pattern देखने को मिला, Languages के Letters, Alphabet, या तो Circle से या Triangle से प्रभावित है, यहाँ तक कि Numerical Figures भी प्रभावित है।

Trees, plants, flowers, leaves, fruits, vegetables, etc mostly living and non-living things, I have seen with my own eyes have these types of shapes: circular, cylindrical, spherical, near spherical, elliptical, or irregular/imperfect shapes.

Seeds, sperm, eggs, uterus, testicles, even potty — all are round.

From ancient period, artificial structures are influenced by circular, spherical, or triangular forms, from ancient to current time most objects have these shapes.

I see the pattern of evolution in dimensions — how a 0D evolves into 1D, then 2D, 3D and Spherical Dimension **(sD)**.

The formation of artificial object depends on needs or demands, But I tried very hard to find shapes in natural objects different from these, but honestly, I found very few exceptions like mountains that are somewhat triangular, salt (NaCl) which forms a perfect cube at the atomic level, faces of some animals and birds that are near triangular, Teeth of some Living Things looks like near Perfect.
"Naturally, till now, I haven’t found anything that holds a perfect triangular or cubic shape— except for very rare cases like Salt (NaCl)."

दिमाग भी गोल, और उसमें जो सबसे पहले आता है, वो भी गोल, 1 साल या 2 साल के बच्चे को, कलम या Pencil दे दीजिए और बोलिए कि Paper पर लिखो, बच्चा गोल ही बनाना Start करता है, बिना किसी के सिखाए, गोल का मतलब ये नहीं कि Perfect Circle ही बना देगा, Imperfect Circular Structure बनाने लगेगा, वो Straight Line Draw नहीं करेगा।

एक दिन अपने भाई के पास Phone किए, ऐसे ही बात करने के लिए,
(मेरा भाई Science Student हैं, Doctor है, उस समय अभी MBBS कर रहा था, Complete नहीं हुआ था।)
बात करते-करते मैंने बोला, Gravity की वजह से सब कुछ गोल नहीं है, गोल होने का कारण कुछ और है, भाई ने बोला कि तुम अब तक वही अटके हो? हँसने लगा और पूछा कैसे?
मैंने सारी घटना बताई, उसको लगा मैं मजाक कर रहा हूँ, उसने भी बोल दिया, पता करो, क्यों गोल है?

मैंने सोचा कि Gravity का असर दिमाग में भी है क्या?
हम किसी Object को गोल की जगह कोई और Shape भी दे सकते है, बावजूद उसके, हम गोल ही क्यों बना देते है? मेरे इस Nonsense सवाल का जवाब कौन देगा?
मैंने तय तो कर लिया था, कि जवाब ढूंढना है, लेकिन मेरे इतने सारे सवालों के जवाब देगा कौन?
Gravity की वजह से गोल बिल्कुल नहीं है, मेरे दिमाग में ये बात घूम रही थी।

एक दिन मैं किसी की Book देख रहा था — Book Math की थी, शायद Class 5th की या 6th की थी — उसमें जब मेरी नज़र Circle और Triangle पर गई तो, मैं अपने सवालों के जवाब ढूंढने लगा, Book में कोई जवाब मेरे लायक नहीं मिला।
लेकिन उस किताब में एक Word मिला — **“DIMENSION”**

न जाने कितनी बार सुना हूँ इस Word को अपने जीवन में, लेकिन उस दिन पढ़ने में और बोलने में एक जवाब जैसा लग रहा था।

सोचते-सोचते एक नतीजे पर पहुँचा और मुझे उस में एक Possibility नज़र आने लगी, मेरी सोच और वास्तविकता मेल खाने लगी, मेरे मन में कई बार सवाल उठे जो सोच रहा हूँ सही है या गलत है, सही और गलत का फैसला वक्त पर छोड़ देते है, लेकिन मुझे बताना तो पड़ेगा, मैंने क्या सोचा है।
मैंने अपने Research को जारी रखा और अभी तक जारी है, Dimensions पर अपनी Observational Theory लिखना शुरू कर दिए।

इस किताब में मैंने कोशिश की है कि जो मैं देख रहा हूँ, वो आप लोग भी देखे, बताने को बहुत कुछ है, लेकिन एक-एक Observation को लिखने लगूंगा तो शायद ये किताब कभी पूरी न लिख पाऊं।

इस Research में एक बात पता चली — जो सबसे पहले लिखना है,

"Circle is the solution of every problem in our Universe."